ANSWERS & EXPLANATION

GENERAL STUIDES (P) 2017 (Test Code – 2105)

Q 1.A

दोनों सदनों के बीच विधेयक पारित करने के विषय में गतिरोध दूर करने के लिए राष्ट्रपति संयुक्त बैठक का आह्वान करता है। संयुक्त बैठक का प्रावधान केवल सामान्य विधेयकों पर लागू होता है लेकिन धन विधेयक या संविधान संशोधन विधेयकों पर लागू नहीं होता है।

Q 2.D

- कार्यपालिका में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रि परिषद, महान्यायवादी (एटॉर्नी जनरल) और प्रशासनिक तंत्र (सिविल कर्मचारी) सम्मिलित होते हैं। यद्यपि सरकार के प्रमुखों और उनके मंत्रियों को सम्मिलित रूप से राजनीतिक कार्यपालिका के रूप में जाना जाता है, लेकिन सिविल कर्मचारियों को स्थायी कार्यपालिका कहा जाता है।
- सांसद विधायिका के भाग होते हैं। केवल जो सांसद मंत्री होते हैं, वे कार्यपालिका के भाग होते हैं।

Q 3.C

कथन 1, 2 और 3 भारतीय संविधान की एकात्मक विशेषताएँ हैं और इसलिए उनको हटाना भारतीय संविधान को और अधिक संघीय स्वरूप प्रदान करेगा। संविधान की सर्वोच्चता एक संघीय विशेषता है। संविधान देश का सर्वोच्च (या उच्चतम) कानून है। केन्द्र और राज्यों द्वारा अधिनियमित कानूनों द्वारा अनिवार्य रूप से इसके प्रावधानों की पुष्टि की जानी चाहिए। इस प्रकार, सरकार के अंग (विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका) को दोनों ही स्तरों पर अनिवार्य रूप से संविधान द्वारा निर्धारित अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत संचालित होना चाहिए।

Q 4.B

- कथन 1 सही है। राष्ट्रपति को वीटो शक्ति प्राप्त होती है जिसके माध्यम से वह संसद द्वारा पारित किए जाने वाले विधेयकों (धन विधेयक के अतिरिक्त) को रोक सकता है या सहमति प्रदान करने से मना कर सकता है। राष्ट्रपति विधेयक पर पुनर्विचार करने का निवेदन करते हुए उसे संसद को वापस कर सकता है। इसलिए, सामान्य विधेयक के मामले में राष्ट्रपति के पास विवेकाधीन शक्ति होती है।
- कथन 2 सही है। राष्ट्रपति को ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री को नियुक्त करने की विवेकाधीन शक्ति होती है। अन्य मंत्रियों को प्रधानमंत्री की सलाह पर नियुक्त किया जाता है।
- कथन 3 गलत है। यह राष्ट्रपति की विवेकाधीन शक्ति नहीं है। राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति केन्द्र सरकार के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

Q 5.D

कथन 1 गलत है: उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है किन्तु वह लोक सभा या राज्य सभा में से किसी का भी सदस्य नहीं होता है।
कथन 2 गलत है: वह भारत के राष्ट्रपति को त्यागपत्र दे सकता है।

कथन 3 गलत है: उस पर राष्ट्रपति की औपचारिक महाभियोग प्रक्रिया की भाँति अभियोग नहीं लगाया जाता है। उसे राज्य सभा के निरपेक्ष बहुमत और लोक सभा की सहमति से पद से हटाया जा सकता है।

Q 6.D

भारत के भूभागीय समुद्र, महाद्वीपीय शेल्फ एवं विशेष आर्थिक जोन के अंतर्गत प्राप्त होने वाले खनिज, भूमि और अन्य मूल्यवान वस्तुओं पर संघ का अधिकार होता है। तटीय राज्य इस पर दावा नहीं कर सकते।

Q 7.A

- विकल्प 1 सही है। राज्य सभा केवल बजट की चर्चा कर सकती है किन्तु अनुदान की मांगों पर मतदान नहीं कर सकती (जो लोक सभा का विशेष अधिकार है)।
- विकल्प 2 गलत है। राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का अनुमोदन संसद के दोनों सदनों द्वारा किया जाना चाहिए।
- विकल्प 3 सही है। राष्ट्रीय आपात की समाप्ति के लिए केवल लोकसभा द्वारा प्रस्ताव पारित किया जा सकता है, राज्यसभा द्वारा नहीं।
- विकल्प 4 गलत है। संविधान का संशोधन विधेयक संसद के किसी भी सदन में आरंभ किया जा सकता है।
- विकल्प 5 गलत है। राज्य सभा संसद को केन्द्र और राज्य दोनों के लिए नई अखिल भारतीय सेवाएँ स्थापित करने के लिए प्राधिकृत कर सकती है। (अनुच्छे 312)।

Q 8.B

उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय राष्ट्रपति की सभी शक्तियाँ और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। विकल्प (a),(c),(d) राष्ट्रपति की शक्तियाँ और विशेषाधिकार हैं।

राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय या राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वाह करते समय, उपराष्ट्रपति राज्य सभा के सभापति पद के कर्तव्यों का निष्पादन नहीं करता है। इस अवधि के दौरान, वे कर्तव्य राज्य सभा के उपसभापति द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

Q 9.C

कथन 1 सही है। जब किसी पार्टी को विधान सभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं होता है, तो राज्यपाल मुख्यमंत्री के चयन एवं नियुक्ति में अपने विवेकाधिकार का प्रयोग कर सकता है। इस स्थिति में राज्यपाल सामान्य रूप से सबसे बड़े दल या सबसे बड़े गठबंधन दल के नेता को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करता है और उससे एक माह के अंतर्गत सदन में विश्वास प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए कहता है।

कथन 2 सही है। जब पदासीन मुख्यमंत्री की अचानक मृत्यु हो जाती है और उसका कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं होता है तो राज्यपाल मुख्यमंत्री के चयन और नियुक्ति में अपने व्यक्तिगत निर्णय का प्रयोग कर सकता है। हालांकि मुख्यमंत्री की मृत्यु होने पर सत्ताधारी दल सामान्य रूप से एक नए नेता को निर्वाचित करता है और राज्यपाल उसे मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करता है।

Q 10.C

विकल्प 1 सही नहीं है। भाग III (मूल अधिकारों से व्यवहार) कुछ अपवादों और शर्तों को छोड़कर राज्य के लिए लागू होता है। राज्य में संपत्ति के मूल अधिकार की गारंटी अभी भी प्रदान की जाती है। साथ ही, सरकारी रोजगार, अचल सम्पत्ति के अधिग्रहण, व्यवस्थापन एवं सरकारी छात्रवृत्तियों के संबंध में राज्य के स्थायी निवासियों को कुछ विशेष अधिकार प्रदान किए जाते हैं।

विकल्प 2 और 3 सही हैं। भाग IV (राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों से व्यवहार करने वाला) और भाग IVए (मूल कर्तव्यों से व्यवहार करने वाला) राज्य के लिए लागू नहीं होते हैं।

विकल्प 4 सही है। पाँचवीं अनुसूची (अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन से व्यवहार करने वाली) और छठी अनुसूची (जनजातीय क्षेत्रों से व्यवहार करने वाली) राज्य के लिए लागू नहीं होती है।

Q 11.B

- भारत का संविधान, संघ की अधिशासी शक्ति को औपचारिक रूप से राष्ट्रपति में निहित करता है। वास्तविकता में, राष्ट्रपति इन शक्तियों को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद द्वारा प्रयोग करता है।

Q 12.A

कथन 1 सही है। सदन का निर्दलीय सदस्य यदि ऐसे निर्वाचन के उपरान्त किसी राजनीतिक दल में सम्मिलित हो जाता है तो वह सदन की सदस्यता हेतु अनर्ह हो जाता है।

कथन 2 ग़लत है। किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित सदस्य यदि दल के निर्देशन के विपरीत मतदान करता है या मतदान से अनुपस्थित रहता है तो वह अयोग्य हो जाता है। लेकिन यदि सदस्य ने दल की पूर्व अनुमति प्राप्त कर ली है और ऐसी कार्रवाई की दल द्वारा 15 दिनों के अंतर्गत उपेक्षा की गयी है तो वह सदस्य अयोग्य नहीं होगा।

कथन 3 सही नही है। सदन का मनोनीत या नाम निर्देशित सदस्य सदन में अपना पद ग्रहण करने के बाद 6 महीने की अवधि समाप्त होने के उपरान्त (न कि 6 महीने के अंदर) यदि किसी दल में सम्मिलित होता है तो वह अयोग्य हो जाता है। इसका अर्थ है कि मनोनीत सदस्य यदि 6 महीने की अवधि समाप्त होने के पूर्व किसी दल में सम्मिलित होता है तो वह अयोग्य नहीं होता है।

Q 13.D

कथन गलत है: हालांकि यह देखा जा रहा है कि कि एक विशेष राज्य की राजभाषा जनसंख्या के एक बड़े वर्ग द्वारा बोली जाती है किन्तु किसी भाषा को राजभाषा बनाने के लिए यह एकमात्र मापदण्ड नहीं है। राजभाषा का उपयोग राज्य में सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में सरकार की प्रभावी कार्यशीलता के लिए किया जाता है। यहाँ तक कि राष्ट्रपति भी राज्यों में, अल्पसंख्यकों के भाषाई हितों की रक्षा के लिए राज्यों की किसी भाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान करने का निर्देश प्रदान कर सकता है।

कथन 2 गलत है: राज्यों हेतु चयन का विकल्प केवल संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषाओं तक सीमित नहीं है।

कथन 3 ग़लत है: राज्य के विधान-मंडल को राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी एक या एक से अधिक भाषाओं या हिन्दी को उस राज्य की राजभाषा के रूप में अपनाने के लिए अनन्य शक्ति प्रदान की गयी है। इस प्रकरण में राज्यपाल के प्राधिकार की आवश्यकता नहीं है।

Q 14.C

कथन 1 सही है: अनुच्छेद 56(1)(बी) कहता है कि राष्ट्रपति को संविधान के उल्लंघन के लिए महाभियोग के माध्यम से हटाया जा सकता है। हालांकि संविधान यह व्याख्या नहीं करता कि संविधान का उल्लंघन किसे माना जाए।

कथन 2 सही नहीं है: संसद के किसी भी सदन के मनोनीत सदस्य राष्ट्रपति पर महाभियोग में भाग ले सकते हैं हालांकि वे उसके चुनाव में भागीदारी नहीं करते।

कथन 3 सही नहीं है: संयुक्त राज्य अमेरिका के विपरीत, उपराष्ट्रपति शेष कार्यकाल के लिए नहीं बल्कि केवल नए राष्ट्रपति के चुनाव तक प्रभार ग्रहण करता है।

कथन 4 सही है: महाभियोग आरोप संसद के किसी भी सदन द्वारा लगाए जा सकते हैं। ये आरोप सदन (जिसने आरोप लगाए) के एक चौथाई सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए, और राष्ट्रपति को 14 दिनों का नोटिस देना चाहिए। उस सदन की कुल सदस्यता के दो तिहाई बहुमत द्वारा महाभियोग प्रस्ताव पारित होने पर इसे दूसरे सदन को भेजा जाता है, जिसे आरोपों की जाँच करनी चाहिए। यदि अन्य सदन भी आरोपों का समर्थन करता है और कुल सदस्यता के दो-तिहाई बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित कर देता है तो राष्ट्रपति को उसके पद से हटाया गया माना जाता है।

Q 15.C

- कथन 1 गलत है। अध्यक्षीय प्रणाली में, राष्ट्रपति विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।
- कथन 2 सही है। कनाडा संवैधानिक राजतंत्र होने के साथ-साथ संसदीय लोकतंत्र भी है। वहां रानी एलिजाबेथ द्वितीय राष्ट्र की औपचारिक प्रमुख है और प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख है।
- कथन 3 सही है। अध्यक्षीय प्रणाली में, राष्ट्रपति राष्ट्र और साथ ही साथ सरकार का प्रमुख होता है।

Q 16.B

कथन 1 सही है: लोकसभा का सामान्य कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, जिसके बाद यह स्वत: भंग हो जाती है।

कथन 2 गलत है: राष्ट्रपति द्वारा लोक सभा भंग करने के निर्णय को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

कथन 3 सही है: राष्ट्रीय आपात के दौरान लोक सभा का कार्यकाल एक बार में एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है और इसे इस प्रकार कितनी भी बार बढ़ाया जा सकता है। हालांकि आपात समाप्त होने के बाद कार्यकाल का वह विस्तार छ: माह से अधिक जारी नहीं रह सकता।

Q 17.D

कथन 1 गलत है। यदि सदन द्वारा अगले अध्यक्ष/उपाध्यक्ष का चुनाव करने तक अध्यक्ष/उपाध्यक्ष का पद रिक्त है तो, किसी सांसद की कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति राष्ट्रपति करता है, लोकसभा नहीं।

कथन 2 भी गलत है। जब लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए लोकसभा में प्रस्ताव विचाराधीन होता है तो वह मतदान कर सकता है, लेकिन सभापति केवल उपस्थित रह सकता है और बिना मतदान किए सदन में अपनी बात रख सकता है।

Q 18.D

कथन 1 सही है: सहकारी समितियों का गठन करना अनुच्छेद 19 के अंतर्गत एक मूल अधिकार है ।

कथन 2 सही है: संविधान के भाग IX-बी में सहकारी समितियों के लिए प्रावधान हैं।

कथन 3 सही है: सहकारी समितियाँ संविधान की सातवीं अनुसूची में राज्य का विषय है।

Q 19.D

कथन 1 गलत है। किसी प्रतिष्ठित विधिविद् को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। (यह प्रावधान केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए है)।

कथन 2 गलत है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने के लिए राज्य विधानमंडल के पास कोई शक्ति नहीं है। उसे संसद द्वारा उसी सत्र में राष्ट्रपति से निवेदन किए जाने पर केवल राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

कथन 3 गलत है। संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। उच्च न्यायालय/ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने के लिए केवल दो आधार हैं- सिद्ध दुर्व्यवहार और अक्षमता।

Q 20.A

कथन 1 सही है: यदि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा रहा है तो संसद राज्य सूची में उल्लिखित विषय पर कानून निर्मित कर सकती है और राज्य विधान सभा निलम्बित कर दी जाती है।

कथन 2 सही नहीं है: राज्य विधानमंडल निवेदन करता है, मुख्यमंत्री नहीं।

कथन 3 सही नहीं है: यदि राष्ट्रीय हित में संसद द्वारा राज्य सूची में उल्लिखित किसी विषय पर कानून निर्मित करना आवश्यक हो तो, संसद नहीं बल्कि ऊपरी सदन (राज्यसभा) अपने उपस्थित सदस्यों के मतदान द्वारा दो तिहाई के विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित कर सकती है।

कथन 4 सही है: संसद, अंतर्राष्ट्रीय संधियों, समझौतों या कन्वेंशनों के कार्यान्वयन हेतु राज्य सूची के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। यह प्रावधान केन्द्र सरकार को अपने अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम करता है।

Q 21.D

कथन 1 गलत है: प्रसाद पर्यंत (doctrine of pleasure) का अर्थ अखिल भारतीय सेवाओं एवं केन्द्रीय सेवाओं के सदस्यों का राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर बने रहने से है। इसी प्रकार राज्य सेवाओं के कर्मी राज्यपाल के प्रसादपर्यन्त पद पर बने रहते हैं अर्थात् यह सिद्धांत इसी प्रकार राज्य सेवाओं के कर्मचारियों के लिए भी लागू होता है।

कथन 2 गलत है: प्रसाद पर्यंत भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (सी.ए.जी.) एवं मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) के लिए लागू नहीं है। यद्यपि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, तथापि उन्हें उनके पद से केवल दुर्व्यवहार का आरोप सिद्ध होने या अक्षमता के आधार पर इस आशय का प्रस्ताव संसद द्वारा विशेष बहुमत से पारित करने पर ही हटाया जा सकता है।

Q 22.D

कथन 1 सही है: धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है और वह भी राष्ट्रपति की अनुशंसा पर। इस प्रकार के प्रत्येक विधेयक को सरकारी विधेयक माना जाता है और केवल मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है।

कथन 2 सही है। राज्यसभा धन विधेयक को संशोधित या निरस्त नहीं कर सकती है। इसे 14 दिनों के अंतर्गत विधेयक को अनुशंसाओं सहित या अनुशंसाओं के बिना ही लौटा देना चाहिए।

कथन 3 भी सही है। राष्ट्रपति या तो विधेयक को अपनी सहमति दे सकता है या विधेयक पर अपनी सहमति रोक सकता है। इसे निरस्त किया या अनुमोदित किया जा सकता है किन्तु संसद के पुनर्विचार हेतु वापस नहीं किया जा सकता।

Q 23.B

कथन 1 सही नहीं है क्योंकि विभागीय स्थायी समितियों के सदस्यों को अध्यक्ष/सभापति द्वारा संबंधित सदन के सदस्यों में से मनोनीत किया जाता है। प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं (21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा से)।

कथन 2 सही नहीं है क्योंकि समितियाँ अपनी रिपोर्टों में कटौतियों जैसे कोई सुझाव नहीं दे सकती हैं।

कथन 3 सही है। विभागीय स्थायी समितियों की अनुशंसाएँ प्रकृति में सलाहकारी होती हैं और संसद पर बाध्यकारी नहीं होती हैं।

Q 24.A

कथन 1 सही है। दलबदल से उत्पन्न होने वाली अयोग्यता के संबंध में किसी भी प्रश्न का निर्णय सदन का पीठासीन अधिकारी करता है।

कथन 2 गलत है। मूल रूप से, इस अधिनियम का प्रावधान यह था कि पीठासीन अधिकारी का निर्णय अंतिम होगा और किसी भी न्यायालय में इसे चुनौती नहीं दी जा सकेगी। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने अवधारित किया कि 10वीं अनुसूची के अधीन किसी प्रश्न पर निर्णय लेते समय पीठासीन अधिकारी न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करता है। इसलिए किसी अन्य न्यायाधिकरण की भांति उसका निर्णय दुर्भावना, विकृति आदि के आधार पर न्यायिक समीक्षा के अधीन है।

कथन 3 सही है। इस प्रकार का निर्णय लेते समय पीठासीन अधिकारी न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करता है।

Q 25.D

कथन 1 सही है। अनुच्छेद 262 के अनुसार, केवल संसद के पास अंतर-राज्यीय जल विवाद पर कानून बनाने का अधिकार है।

कथन 2 सही है। अनुच्छेद 262 इन विवादों में हस्तक्षेप करने से सर्वोच्च न्यायालय और अन्य न्यायालयों को प्रतिबंधित करने की संसद को अनुमति देता है।

कथन 3 सही है। अन्तर्राज्यीय जल विवाद अधिनियम,1956 के अंतर्गत संसद नदी जल विवाद के लिए तदर्थ न्यायाधिकरण की स्थापना कर सकती है। न्यायाधिकरण का निर्णय सम्मिलित पक्षों पर बाध्यकारी और अंतिम होता है। न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय का इन प्रकरणों के संबंध में कोई क्षेत्राधिकार है।

Q 26.D

कथन 1 सही है क्योंकि प्रति वर्ष 1 वर्ष की अवधि के लिए सदस्यों का निर्वाचन किया जाता है। चुनाव एकल संक्रमणीय मत का प्रयोग कर आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से किया जाता है।

कथन 2 सही है। मंत्री समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित नहीं हो सकते हैं।

कथन 3 सही है। इस समिति का अध्यक्ष लोक सभा अध्यंक्ष द्वारा समिति के सदस्यों में से नियुक्त किया जाता है जिन्हें केवल लोकसभा से लिया जाता है।

Q 27.C

- कथन 1 गलत है - जम्मू एवं कश्मीर राज्य का अपना संविधान है, लेकिन इसे एक अलग संविधान सभा ने तैयार किया था। राज्य के लोगों ने संप्रभु संविधान सभा का निर्वाचन किया था जिसकी पहली बार बैठक 31 अक्टूबर, 1951 को हुई थी।
- कथन 2 गलत है - अनुच्छेद 370 जम्मू और कश्मीर राज्य के विशेष प्रावधान से संबंधित है लेकिन यह दर्जा अस्थायी है न कि स्थायी।
- कथन 3 सही है - अभी भी राज्य में संपत्ति का मौलिक अधिकार दिया गया है।

Q 28.D

कथन 1 और 2 सही हैं। अंतर-राज्य परिषद का अंतर-राज्यीय विवादों पर जांच करने और सलाह देने का कार्य सरकारों के बीच कानूनी विवाद का निर्णय करने के अनुच्छेद 131 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार का पूरक है। यह परिषद किसी भी विवाद (कानूनी हो या गैर-कानूनी) से निपट सकती है, लेकिन बाध्यकारी निर्णय देने वाले न्यायालय, के विपरीत इसका कार्य सलाहकारी है।

कथन 3 भी सही है। सभी प्रकरण सर्वसम्मति से निपटाए जाते हैं।

Q 29.B

कथन 1 सही है: स्थगन प्रस्ताव केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।

कथन 2 गलत है: अविश्वास प्रस्ताव केवल पूरे मंत्रिपरिषद के विरूद्ध लाया जा सकता है।

कथन 3 गलत है: निंदा प्रस्ताव एक मंत्री या पूरे मंत्रिपरिषद के विरूद्ध लाया जा सकता है।

Q 30.C

कथन 1 सही नहीं है: पूरे देश में विधायन की एकरूपता के लिए संसद संघ सूची और समवर्ती सूची के विषयों पर कानून बनाती है।

कथन 2 सही नहीं है: यह मुख्य उद्देश्य नहीं है क्योंकि संविधान केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का स्पष्ट वितरण करता है ।

कथन 3 सही है: अनुच्छेद 248 कहता है कि संसद के पास संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में अनुपस्थित विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति है।

कथन 4 सही नहीं है: भारत में संसदीय प्रणाली की सरकार है, क्योंकि मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। इसका संसद की अवशिष्ट शक्तियों से कुछ भी लेना-देना नहीं है।

Q 31.D

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मिलने वाले लाभों में निम्नलिखित लाभ सम्मिलित हैं:

चुनाव चिह्नों का अनन्य आवंटन। प्रत्येक राष्ट्रीय दल को एक चिह्न आवंटित किया जाता है और वह पूरे देश में उसके द्वारा उपयोग के लिए अनन्य रूप से आरक्षित होता है। इसी प्रकार, प्रत्येक राज्य दल को एक चिह्न आवंटित किया जाता है जो राज्य या राज्यों में (जहां वह इस प्रकार मान्यता प्राप्त है) उसके उपयोग के लिए अनन्य रूप से आरक्षित होता है।

मतदाता सूची तक पहुंच।
राज्य के स्वामित्व वाले टीवी और रेडियो स्टेशनों पर राजनीतिक प्रसारण के लिए समय।

Q 32.B

कथन 1 सही है: राज्यसभा के पास अनुदानों की मांग पर मतदान करने की शक्ति नहीं है।

कथन 2 गलत है: भारत की संचित निधि से संबंधित दो प्रकार के व्यय हैं। भारत की संचित निधि से किए गए व्यय पर संसद में चर्चा की जा सकती है और मतदान किया जा सकता है जबकि भारत की निधि पर भारित व्यय पर संसद में चर्चा की जा सकती है, लेकिन मतदान नहीं किया जा सकता है।
कथन 3 गलत है: नीति कटौती प्रस्ताव मांग की राशि रूपए 1 तक कम कर देता है।

Q 33.B

ग्राम सभा, ग्राम या गांव के स्तर पर पंचायत क्षेत्र के भीतर सम्मिलित गांव की मतदाता सूची में पंजीकृत व्यक्तियों से मिलकर बनने वाला निकाय है। इस प्रकार, यह पंचायत क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाताओं से मिलकर बनने वाली ग्रामीण सभा है। यह गांव के स्तर पर राज्य की विधायिका द्वारा विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग कर सकती है और विनिर्दिष्ट कार्यों का संपादन कर सकती है।

Q 34.C

- कथन 1 गलत है। संसद साधारण बहुमत से न कि विशेष बहुमत से किसी भी राज्य के क्षेत्र, सीमा और नाम में परिवर्तन कर सकती है।
- कथन 2 सही है। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान संसद राज्यों के क्षेत्राधिकार के भीतर आने वाले विषयों पर कानून बनाने की शक्ति धारण कर लेती है।
- कथन 3 सही है। राज्यों के प्रशासन में कार्य करने वाले अधिकारी, केंद्र सरकार के नियंत्रण में होते हैं। राज्य इन अधिकारियों को सेवा से नहीं हटा सकते हैं।

Q 35.D

कथन 1 गलत है: अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की भर्ती केंद्र सरकार द्वारा 1951 के अखिल भारतीय सेवा अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित नियमों के अनुसार की जाती है। संविधान कहता है कि संसद, अखिल भारतीय सेवाओं के अंतर्गत भर्ती अधिकारियो की भर्ती और सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए कानून बना सकती है। अत: अखिल भारतीय सेवा अधिनियम पारित किया गया जिसके द्वारा यू.पी.एस.सी को इन सेवाओं में भर्ती के लिए परीक्षाओ के संचालन करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया।

कथन 2 गलत है: अखिल भारतीय सेवा के सदस्यों की भर्ती केंद्र द्वारा की जाती है, लेकिन उनकी सेवाएं विभिन्न राज्य संवर्गों के अंतर्गत रखी जाती है। लेकिन उनके वेतन और पेंशन की पूर्ति राज्य द्वारा की जाती है।

कथन 3 गलत है: किसी नई अखिल भारतीय सेवा को स्थापित करने के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता नहीं है। राज्यसभा यह घोषित करते हुए प्रस्ताव पारित कर सकती है कि राष्ट्रीय हित में एक नई अखिल भारतीय सेवा का सृजन करना आवश्यक है, तब संसद एक नई अखिल भारतीय सेवा का सृजन कर सकती है। इसी तर्ज पर संसद द्वारा तीसरी अखिल भारतीय सेवा के रूप में भारतीय वन सेवा की स्थापना की गई थी।

Q 36.D

विधायी अधिनियमन या कार्यकारी आदेश की संवैधानिक वैधता को निम्नलिखित तीन आधारों पर सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है:

यदि यह मूल अधिकारों (भाग III) का उल्लंघन करता हो

यदि यह उस प्राधिकरण की क्षमता से बाहर है जिसने इसे बनाया हो, और
यदि यह संवैधानिक प्रावधानों के प्रतिकूल हो।

Q 37.B

कथन 1 गलत है। राष्ट्रीय आपात आंतरिक अशांति के आधार पर नहीं लगाया जा सकता है। अन्य आधारों पर, राष्ट्रीय आपातकाल जम्मू-कश्मीर में लगाया जा सकता है।

कथन 2 सही है। वित्तीय आपात जम्मू-कश्मीर में नहीं लगाया जा सकता है।

कथन 3 गलत है। राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, लेकिन केवल राज्य के संविधान की न कि भारतीय संविधान की विफलता पर।

Q 38.B

युग्म 1 गलत तरीके से सुमेलित है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह कलकत्ता उच्च न्यायालय के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत हैं।

युग्म 2 सही ढंग से सुमेलित है।

युग्म 3 गलत तरीके से सुमेलित है। बंबई उच्च न्यायालय का दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली पर क्षेत्राधिकार है। यहाँ तक कि इस उच्च न्यायालय का गोवा पर भी क्षेत्राधिकार है।

Q 39.D

- कथन 1 गलत है क्यों कि भारत ने एफ.पी.टी.पी को इसकी सरलता और लोकप्रियता के कारण चुना था क्योंकि उस समय बड़ी आबादी अनपढ़ थी और जटिल आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली को नहीं समझ पाती। यदि विविधता पर विचार किया जाता, तो भारत आनुपातिक प्रतिनिधित्व का चुनाव करता।
- कथन 2 गलत है क्योंकि राज्यसभा में भी मनोनीत सदस्य हैं।

Q 40.B

कथन 1 सही है: अनुच्छेद 113(3) कहता है कि राष्ट्रपति की अनुशंसा पर अनुदान की मांगो को छोड़कर किसी अनुदान की मांग नहीं की जाएगी।

कथन 2 गलत है: धन विधेयक केवल राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा के बाद ही प्रस्तुत किया जा सकता है। हालांकि, धन विधेयक को लोकसभा अध्यक्ष, न कि राष्ट्रपति प्रमाणित करता है।

कथन 3 सही है: अनुच्छेद 280 के अंतर्गत, राष्ट्रपति केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व का वितरण करने के लिए हर 5वें वर्ष वित्त आयोग का गठन करता है।
कथन 4 सही है: आकस्मिकता निधि राष्ट्रपति की व्यवस्था पर होती है और इस निधि से विनियोग के लिए संसद की किसी पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि, संसद की पूर्व मंजूरी के बिना भारत की संचित निधि से कोई धन विनियोजित नहीं किया जा सकता है।

Q 41.C

अभिलेख न्यायालय के रूप में, सर्वोच्चल न्या्यालय के दो अधिकार हैं:

(a) सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों, कार्यवाहियों और कृत्यों को चिरस्थायी स्मृति और साक्ष्य के लिए अभिलेखित किया जाता है। इन अभिलेखों को साक्ष्याकत्मक मूल्य के रूप में स्वीकार किया जाता है और किसी भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने पर इन पर प्रश्न नहीं किया जा सकता है। इन्हें कानूनी पूर्वदृष्टान्तों और कानूनी संदर्भ के रूप में मान्यता प्राप्त होती है। इसलिए, कथन 1 सही है।

(b) इसके पास न्यायालय की अवमानना के लिए या तो छह महीने के साधारण कारावास से या 2,000 के जुर्माने से या दोनों से दंडित करने की शक्ति है। 1991 में सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी कि उसके पास न केवल अपनी बल्कि पूरे देश में कार्यरत उच्च न्यायालयों, अधीनस्थ न्यायालयों और न्यायाधिकरणों की अवमानना के लिए भी दंडित करने की शक्ति है। इसलिए, कथन 2 सही है।

Q 42.A

कथन 1 सही है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों और कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और पेंशन के साथ-साथ प्रशासनिक व्यय जैसे व्यय भारत की संचित निधि (एच.सी. के संबंध में राज्यों की संचित निधि) पर भारित होते हैं।

कथन 2 गलत है। संसद, सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार और शक्तियों में कटौती करने के लिए अधिकृत नहीं है। हालांकि, संसद सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संबंध में संवैधानिक रूप से प्रत्यायभूत प्रावधानों का विस्तार कर सकती है।
कथन 3 गलत है। केवल महाभियोग प्रस्ताव के विचाराधीन होने पर ही संसद में न्यायाधीशों के आचरण पर चर्चा की जा सकती है। किसी भी सूरत में चर्चा न होने से सर्वोच्च न्यायालय नियंत्रण और संतुलनहीन हो जाएगा।

Q 43.A

कथन 1 गलत है। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, लोकसभा का उपाध्यक्ष संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है।

कथन 2 गलत है। उपाध्यक्ष सदन के प्रति उत्तरदायी होता है और अध्यक्ष के अधीनस्थ नहीं होता है।
कथन 3 सही है: राज्य सभा के सभापति के पास मतदान करने की शक्ति होती है, लेकिन उसके पास *प्रथम दृष्टया* मतदान करने का शक्ति नहीं होती है।

Q 44.B

कथन 1 सही है। यदि कोई सदस्य किसी अन्य दल के साथ दल के विलय के परिणामस्वरूप अपने दल से बाहर चला जाता है, तो उसे छूट है। विलय तभी होता है जब दल के 2/3 सदस्य ऐसे विलय के लिए सहमत होते हैं।

कथन 2 सही है। यदि कोई सदस्य, सदन के पीठासीन अधिकारी के रूप में चुने जाने के बाद स्वेच्छा से अपने दल की सदस्यता त्याग देता है या पद पर न रहने के बाद उसमें पुनः सम्मिलित हो जाता है।
कथन 3 गलत है। इस प्रावधान का 91वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा विलोपन कर दिया गया और इसलिए दलबदलुओं के पास अब विभाजन के आधार पर सुरक्षा नहीं है।

Q 45.D

कथन 1 सही नहीं है। वह दोनों में से किसी एक सदन के भी सत्र में न होने पर अध्यादेश जारी कर सकता है।

कथन 2 सही नहीं है। यह संसद के किसी भी अधिनियम या किसी अन्य अध्यादेश को संशोधित या निरस्त कर सकता है। यह कर कानून में भी परिवर्तन या संशोधन कर सकता है। हालांकि, संविधान में संशोधन करने के लिए इसे नहीं जारी किया जा सकता है।

कथन 3 सही नहीं है। किसी अन्य कानून की भांति अध्यादेश भूतलक्षी प्रभाव वाला हो सकता है अर्थात, यह पुरानी तिथि से अस्तित्व में आ सकता है।

Q 46.D

कथन 1 गलत है। न्यायाधिकरण भारत की एकीकृत न्यायिक प्रणाली के भाग नहीं हैं। एकीकृत न्यायिक प्रणाली शीर्ष पर सर्वोच्च न्यायालय और उसके नीचे राज्यों के उच्च न्यायालयों का प्रावधान करती है।

कथन 2 गलत है। पी.एस.यू के कर्मचारियों से संबंधित सेवा प्रकरण अधिसूचना द्वारा केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण या राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण के अंतर्गत लाए जा सकते हैं।

कथन 3 गलत है। सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अधिनियम, 2007 संसद द्वारा पारित किया गया था और इसने भारत में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।

Q 47.D

अंतरराज्यीय परिषदें निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर गठित होती हैं:

- अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री।
- सभी राज्यों के मुख्यमंत्री।
- विधान सभाओं वाले संघ शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री।
- गैर-विधानसभाओं वाले संघ शासित प्रदेशों के प्रशासक।
- गृह मंत्री सहित प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किए जाने वाले छह केंद्रीय कैबिनेट मंत्री।
- राज्यपाल परिषद का अंग नहीं हैं।

Q 48.C

कथन 1 गलत है। सदस्य मनोनीत नहीं होते हैं, उन्हें एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांतों के अनुसार केवल लोकसभा से चुना जाता है।

कथन 2 सही नहीं है क्योंकि समितियां चक्रानुक्रम आधार पर प्रति वर्ष केवल कुछ मंत्रालयों और विभागों को लेती हैं। इस प्रकार सभी मंत्रालयों को अच्छादित करने में वर्षों लग जाते हैं। सतत मितव्ययता समिति नाम इसलिए दिया गया है, क्योंकि यह बजट में सम्मिलित अनुमानों की जांच करती है और सार्वजनिक व्यय में मितव्ययता का सुझाव देती है।

कथन 3 सही है। यह संसद द्वारा मतदान किए जाने के बाद ही बजट अनुमानों की जांच करती है न कि पहले।

Q 49.A

कथन 1 सही है। इसमें कम से कम एक स्थान अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के लिए और दो स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित होने चाहिए।

कथन 2 सही है। बोर्ड के निर्वाचित सदस्यों और इसके पदाधिकारियों का कार्यकाल पांच वर्ष होता है।

कथन 3 गलत है। राज्य विधायिका द्वारा अधिकृत निकाय, बोर्ड के सदस्यों का चुनाव कराता है।

Q 50.A

कथन 1 सही है। प्रधानमंत्री की पदावधि निश्चित नहीं है और वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत पद धारण करता है। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि राष्ट्रपति किसी भी समय प्रधानमंत्री को पदमुक्त कर सकता है। जब तक प्रधानमंत्री को लोकसभा में बहुमत

का समर्थन प्राप्त रहता है, उसे राष्ट्रपति द्वारा नहीं हटाया जा सकता है। हालांकि, यदि वह लोकसभा का विश्वास खो देता है, तो उसे त्यागपत्र देना पड़ता है या राष्ट्रपति उसे पदमुक्त कर सकता है।

कथन 2 सही है। चूंकि प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद का मुखिया होता है, अत: प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने या मृत्यु हो जाने पर अन्य मंत्री कार्य नहीं कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, निवर्तमान प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने या मृत्यु हो जाने पर मंत्रिपरिषद स्वतः भंग हो जाती है और इससे निर्वात उत्पन्न हो जाता है। वहीं दूसरी ओर किसी अन्य मंत्री के त्यागपत्र देने या मृत्यु हो जाने पर, केवल रिक्ति पैदा होती है जिसे प्रधानमंत्री भर भी सकता है और नहीं भी भर सकता है।

कथन 3 गलत है। संविधान ने प्रधानमंत्री के चयन हेतु कोई प्रक्रिया निर्दिष्ट नहीं की है। यह संसदीय परंपराओं पर आधारित है कि बहुमत रखने वाले दल का नेता प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया जाता है।

Q 51.D

भारतीय संविधान की संघीय विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- दोहरी राज्यव्यवस्था: संविधान दोहरी राज्यव्यवस्था का प्रावधान करता है जिसके तहत केंद्र में संघ और परिधि पर राज्य हैं। प्रत्येक को संविधान द्वारा सौंपे गए क्षेत्र में प्रयोग किए जाने हेतु संप्रभु शक्तियों से सुसज्जित किया गया है।
- लिखित संविधान: यह केंद्र और राज्य सरकारों की संरचना, संगठन, शक्तियो और प्रकार्यों को विनिर्दिष्ट करता है और उन सीमाओं का निर्धारण करता है जिसके भीतर उन्हें काम करना होता है।
- शक्तियों का पृथक्करण: संविधान की सातवीं अनुसूची में संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के रूप में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है।
- संविधान की सर्वोच्चता: संविधान देश का सर्वोच्च (या उच्चतम) कानून है। केंद्र और राज्यों द्वारा अधिनियमित कानून इसके प्रावधानों के अनुकूल होने चाहिए। इस प्रकार, दोनों स्तरों पर सरकार के अंगों को (विधायी, कार्यकारी और न्यायिक) संविधान द्वारा निर्धारित क्षेत्राधिकार के भीतर काम करना चाहिए।
- स्वतंत्र न्यायपालिका: संविधान दो प्रयोजनों के लिए सर्वोच्च न्यायालय के रूप में स्वतंत्र न्यायपालिका स्थापित करता है: एक, न्यायिक समीक्षा की शक्ति का प्रयोग करके संविधान की सर्वोच्चता की रक्षा करने के लिए; और दूसरे, केंद्र और राज्यों के बीच या राज्यों के बीच विवादों का समाधान करने के लिए।
- द्विसदनात्मकता: राज्य सभा (भले ही कम शक्तिशाली सदन है) की केंद्र के अनुचित हस्तक्षेप के विरूद्ध राज्यों के हितों की रक्षा करके संघीय संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यकता होती है।
    - एकीकृत न्यायपालिका भारत के संविधान की एकात्मक विशेषता है।
    - भारत में राज्य अविनाशी नहीं हैं। अन्य संघों के विपरीत, भारत में राज्यों के पास अपने क्षेत्र (भूभाग) की अखंडता का अधिकार नहीं है। संसद एकपक्षीय कार्रवाई से राज्य, के क्षेत्रफल, सीमाओं या नाम में परिवर्तन कर सकती है। इसके अतिरिक्ति, इसके लिए उसे केवल साधारण बहुमत की (न कि विशेष बहुमत) आवश्यकता होती है।

Q 52.A

संघीय न्यायालय के रूप में सर्वोच्च न्यायालय का भारतीय संघ की विभिन्न इकाइयों के बीच संघीय विवादों पर मूल क्षेत्राधिकार है। इसके अतिरिक्त, इसके पास अंतर-राज्यीय जल विवाद, केंद्र और राज्यों के बीच साधारण प्रकृति के वाणिज्यिक विवादों, संविधान पूर्व संधि, करार, अनुबंध, केंद्र और राज्य के विरूद्ध राज्य द्वारा क्षति की वसूली से उत्पन्न होने वाले विवादों जैसे प्रकरणों पर मूल क्षेत्राधिकार नहीं है। इसलिए, कथन 1 और 2 सही नहीं हैं।

कथन 3 सही है। संविधान ने नागरिकों के मूल अधिकारों के गारंटर और रक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय को स्थापित किया है। सर्वोच्च न्यायालय व्यथित नागरिक के मूल अधिकारों के प्रवर्तन के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, उत्प्रेषण सहित रिटें जारी करने का अधिकार रखता है। इस संबंध में, सर्वोच्च न्यायालय के पास इस अर्थ में मूल क्षेत्राधिकार है कि व्यवथित नागरिक सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जा सकते हैं, न कि अनिवार्यत: अपील के माध्यम से।

Q 53.D

कथन 1 गलत है। अनुच्छेद 370 उल्लेख करता है कि संसद, संघ सूची और समवर्ती सूची के उन विषयों पर कानून बना सकती है जो विलय-पत्र में उल्लखित विषयों से संगत हैं। हालांकि, संसद केवल राज्य सरकार की सहमति से राष्ट्रपति द्वारा विनिर्दिष्ट संघ सूची और समवर्ती सूची के अन्य विषयों पर कानून बना सकती है।
कथन 2 गलत है। अनुच्छेद 370 को केवल राज्य की संविधान सभा (न कि राज्य सरकार द्वारा) की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा निरस्त किया जा सकता है।

Q 54.B

राष्ट्रपति सीधे जनता द्वारा नहीं निर्वाचित किया जाता है बल्कि निर्वाचक मंडल के सदस्यों द्वारा निर्वाचित किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होते हैं:

- संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य;
- राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य;
- दिल्ली और पुडुचेरी संघ शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य।

हालांकि संसद के मनोनीत सदस्य निर्वाचन में भाग नहीं लेते हैं लेकिन राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया में भाग लेते हैं।
इसके साथ ही, विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य निर्वाचन में तो भाग लेते हैं, लेकिन महाभियोग की कार्रवाई में भाग नहीं लेते हैं।

Q 55.A

1992 का 73वां संविधान संशोधन अधिनियम:

इस अधिनियम ने भारत के संविधान में एक नया भाग, भाग-IX जोड़ा है। इसे 'पंचायत' का शीर्षक दिया गया है और इसमें अनुच्छेद 243 से लेकर 243 O तक के प्रावधान सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, इस अधिनियम ने संविधान में एक नई अनुसूची के रूप में ग्यारहवीं अनुसूची को जोड़ा है। इस अनुसूची में पंचायतों की 29 कार्यात्मक विषय सम्मिलित हैं। यह अनुच्छेद 243-G से संबंधित है। इसलिए, कथन 1 सही है।

यह अधिनियम देश में आधारभूत लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रतिनिधायी लोकतंत्र को सहभागी लोकतंत्र में परिवर्तित करता है। यह देश में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र का सृजन करने और लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा देने वाली क्रांतिकारी अवधारणा है। इसलिए, कथन 2 सही है।
यह अधिनियम पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देता है। यह उन्हें संविधान के न्यायोचित क्षेत्र के तहत ले आया है। दूसरे शब्दों में, राज्य सरकारें इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नवीन पंचायती राज प्रणाली को अपनाने के लिए संवैधानिक बाध्यता के अधीन हैं। फलस्वरूप, पंचायतों का गठन और या नियमित अंतराल पर चुनावों का आयोजन अब राज्य सरकार की इच्छा पर निर्भर नहीं है। वे समयबद्धता के लिए बाध्य हैं। इसलिए, कथन 3 सही है।

Q 56.C

निर्वाचन आयोग के पास संसद, राज्य विधायिका, राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के पद के सभी निर्वाचनों के अधीक्षण, निर्देशन और संचालन की शक्ति है। लोकसभा का अध्यक्ष अपने सदस्यों में से ही चुना जाता है।

Q 57.C

कथन 1 सही नहीं है। केंद्र और राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण कठोर है क्योंकि अनुच्छेद 246 तीन सूचियां प्रदान करता है, जबकि केंद्र और राज्यों के बीच कार्यपालिका शक्तियों के विभाजन में ऐसी कठोरता नहीं है। उदाहरण के लिए, राज्य सरकार की सहमति से राष्ट्रपति उक्त राज्य को कोई कार्यकारी प्रकार्य सौंप सकता है। इसी प्रकार केंद्र सरकार की सहमति से राज्य का राज्यपाल उक्त राज्य का कोई कार्यकारी प्रकार्य सौंप सकता है।

कथन 2 सही है। यदि राज्य केंद्र के कार्यकारी निर्देशों का अनुपालन करने में विफल रहता है तो अनुच्छेद 356 के अनुसार राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। अत: राज्य विधानसभा को भंग किया जा सकता है।
कथन 3 सही नहीं है। ऐसा राज्य की सहमति के बिना भी किया जा सकता है। संसद, संघ सूची पर कानून बना सकती है और राज्यों को कार्यकारी शक्तियां प्रदान कर सकती है।

Q 58.C

- कथन 1 गलत है। उन्हें संसद सत्र के दौरान और प्रारंभ होने से 40 दिन पहले और सत्र की समाप्ति के 40 दिनों बाद तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। यह विशेषाधिकार केवल दीवानी प्रकरणों में है, आपराधिक प्रकरणों या निवारक निरोध के प्रकरणो के लिए यह विशेषाधिकार उपलब्ध नहीं है।
- कथन 2 सही है। कोई भी सदस्य संसद या उसकी समितियों में उसके द्वारा कही गई किसी भी बात के लिए या किए गए किसी भी मतदान के लिए किसी भी न्यायालय में किसी भी कार्यवाही के प्रति उत्तरदायी नहीं है।
- कथन 3 सही है। विधायिका के पीठासीन अधिकारी के पास विशेषाधिकार हनन के प्रकरणों पर निर्णय करने की अंतिम शक्ति होती है। इस प्रकार लोकसभा अध्यक्ष के पास लोकसभा के सदस्य द्वारा विशेषाधिकार हनन के प्रकरणों पर निर्णय करने की अंतिम शक्ति होती है। यही कार्य अपने सदस्यों के लिए राज्य सभा के सभापति द्वारा किया जाता है।

Q 59.A

चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (मुख्य निर्वाचक अधिकारी- सी.ई.ओ): चुनाव आयोग के समग्र अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के तहत राज्य/संघ शासित प्रदेशों में निर्वाचन कार्य के पर्यवेक्षण हेतु अधिकृत।

डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर (जिला निर्वाचन अधिकारी- डी.ई.ओ): चुनाव आयोग के समग्र अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के तहत जिले के निर्वाचन निर्वाचन कार्य के पर्यवेक्षण हेतु अधिकृत।

इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी- ई.आर.ओ): संसदीय या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु उत्तरदायी।
रिटर्निंग ऑफिसर (निर्वाचन अधिकारी- आर.ओ.): संबंधित संसदीय या विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्र में चुनावों के संचालन के लिए उत्तरदायी। यह परिणामों की घोषणा करने के लिए भी उत्तरदायी है।

Q 60.B

विधानसभा के भंग होने पर विधेयकों के व्यपगत होने की स्थिति का नीचे उल्लेख किया गया है:
1. विधानसभा में लंबित विधेयक व्यपगत हो जाता है (चाहे विधानसभा में शुरू हुआ हो या इसे विधान परिषद द्वारा प्रेषित किया गया हो)
2. विधानसभा द्वारा पारित, लेकिन विधान परिषद में लंबित विधेयक व्यपगत हो जाता है।
3. विधान परिषद में लंबित, लेकिन विधानसभा द्वारा पारित नहीं किया गया विधेयक व्यपगत नही होता है।
4. विधानसभा द्वारा पारित (एकसदनीय राज्य में) या दोनों सदनों द्वारा पारित (द्विसदनीय राज्य में), लेकिन राज्यपाल या राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित विधेयक व्यपगत नही होता है।
5. विधानसभा द्वारा पारित (एकसदनीय राज्य में) या दोनों सदनों द्वारा पारित (द्विसदनीय राज्य में), लेकिन राष्ट्रपति द्वारा पुनर्विचार के लिए लौटाया गया विधेयक व्यपगत नहीं होता है।"

Q 61.D

- पहला कथन गलत है। संविधान ने 21 वर्ष से ऊपर की आयु के सभी भारतीय नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रदान किया था। इस आयु सीमा को 1988 में कम करके 18 वर्ष कर दिया गया।
- दूसरा कथन भी गलत है क्योंकि चुनाव लड़ने के लिए अलग-अलग न्यूनतम आयु अपेक्षाएं हैं। उदाहरण के लिए, लोकसभा या विधानसभा के चुनाव में खड़े होने के लिए, कोई भी उम्मीदवार कम से कम 25 वर्ष का होना चाहिए।

Q 62.D

कथन 1 सही है। राष्ट्रीय आपात की समाप्ति के लिए प्रस्ताव केवल लोक सभा द्वारा पारित किया जा सकता है।

कथन 2 सही है। राज्य सूची के विषय पर कानून बनाने के लिए राज्यसभा संसद को अधिकृत कर सकती है।

कथन 3 सही है। प्रधानमंत्री उस सदन का नेता होता है जिससे वह संबंधित होता है। जबकि दूसरे सदन के संदर्भ में वह किसी मंत्री को जो उस सदन का सदस्य भी है, उक्त सदन के नेता के रूप में मनोनीत कर सकता है।

Q 63.C

कथन 1 सत्य है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी सेवा-निवृत्त न्यायाधीश से अस्थायी अवधि के लिए इस बात का आग्रह कर सकता है। ऐसा वह राष्ट्रपति और नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति की पूर्व स्वीकृति के बाद ही कर सकता है।

कथन 2 सत्य है। सर्वोच्च न्यायालय के किसी सत्र का आयोजन करने या उसे ज़ारी रखने के लिए स्थायी न्यायधीशों के कोरम का अभाव हो तो भारत का मुख्य न्यायधीश उच्च न्यायालय के किसी न्यायधीश की नियुक्ति अस्थायी रूप से सर्वोच्च न्यायालय में कर सकता है। वे ऐसा संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पूर्व परामर्श तथा राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति के पश्चात् ही कर सकते हैं। इस प्रकार से नियुक्त किये जाने वाले न्यायधीश को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति संबंधी पात्रता पर खरा उतरना चाहिए।

Q 64.D

संविधान में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीशों का कार्यकाल नियत नहीं किया गया है। तथापि, इसमें इस संबंध में तीन निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं:

1. 65 वर्ष की आयु तक वह पद पर बना रहता है। उसकी आयु के संबंध में किसी प्रश्न को संसद द्वारा नियत किसी प्राधिकरण या किसी अन्य प्रकार से निर्धारित किया जाता है। इसलिए, कथन 1 सत्य है।

2. वह राष्ट्रपति को लिखित दे कर अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है। इसलिए, कथन 2 सत्य है।

3. संसद की अनुशंसा पर राष्ट्रपति के द्वारा उसे पद से हटाया जा सकता है। इसलिए, कथन 3 सत्य है।

Q 65.D

कथन 1 सत्य नहीं है। राष्ट्रपति संसद का संयुक्त बैठक बुलाता है, किन्तु इसकी अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

कथन 2 सत्य नहीं है। संविधान संशोधन विधेयकों को राष्ट्रपति के पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती।

कथन 3 सत्य नहीं है। वह लोकसभा में आंग्ल-भारतीय समुदाय से 2 सदस्यों को मनोनीत कर सकता है। वह साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवाओं का विशेष ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों को राज्य सभा सदस्य के रूप में मनोनीत करते हैं।

Q 66.C

- कथन 1 सत्य है। सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के अनुसार मंत्रालय संसद की कार्यकारी शाखाएं हैं, तथा ये सामूहिक रूप से संसद की ओर से शासन का संचालन करती हैं।
- कथन 2 सत्य है: यह सिद्धांत यह भी बताता है कि यदि कोई मंत्री मंत्रिमंडल की किसी नीति या निर्णय से सहमत नहीं है तो उसे या तो निर्णय को स्वीकार करना होता है या त्यागपत्र देना होता है। सामूहिक उत्तरदायित्व वाली किसी नीति का पालन करना या उससे सहमत होना सभी मंत्रियों के लिए बाध्यकारी होता है।

Q 67.C

कथन 1 सत्य हैं। वित्त विधेयक तीन प्रकार के होते हैं:

1. धन विधेयक, अनुच्छेद 110

2. वित्त विधेयक (I) अनुच्छेद 117 (1)

3. वित्त विधेयक (II) अनुच्छेद 117 (3)

इस वर्गीकरण का अर्थ है कि धन विधेयक वित्तीय विधेयकों के एक प्रकार मात्र हैं। इसलिए सभी धन विधेयक वित्त विधेयक हैं किन्तु सभी वित्त विधेयक धन विधेयक नहीं होते। केवल वे वित्त विधेयक ही धन विधेयक होते हैं जिनमे विशिष्ट रूप से संविधान के अनुच्छेद 110 में उल्लिखित बातें सम्मिलित होती हैं।

कथन 2 असत्य है। धन विधेयक के मामले में दोनों सदनों के संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है।

कथन 3 सत्य है। एक धन विधेयक को केवल लोक सभा में ही प्रस्तुत किया जा सकता है, और वह भी केवल राष्ट्रपति की अनुशंसा पर ही। ऐसे प्रत्येक विधेयक को सरकारी विधेयक समझा जाता है, तथा इसे केवल किसी मंत्री के द्वारा ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

Q 68.B

मंत्रीमंडलीय समितियों की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- वे संविधानेतर निकाय हैं। दूसरे शब्दों में संविधान में उनका कोई उल्लेख नहीं है। तथापि, उनके गठन हेतु कार्य नियम का प्रावधान किया गया है।
- वे दो प्रकार के होते हैं– स्थायी तथा अस्थायी। स्थायी समिति स्थायी प्रकृति की होती है जबकि बाद वाली अस्थायी प्रकृति की। विशेष समस्याओं से निबटने के लिए अस्थायी समितियों का गठन किया जाता है तथा कार्य की समाप्ति के बाद उन्हें भंग कर दिया जाता है।
- उन्हें स्थिति की आवश्यकता तथा समय की अनिवार्यता के अनुसार प्रधान मंत्री द्वारा गठित किया जाता है। इसलिए, उनकी संख्या, नामपद्धति तथा रचना समय-समय पर बदलती रहती है।
- उनके सदस्यों की संख्या 3 से ले कर 8 तक हो सकती है। सामान्यतः, उनमें केवल कैबिनेट मंत्री ही सम्मिलित होते हैं। तथापि, गैर-कैबिनेट मंत्रियों को इनकी सदस्यता से वंचित नहीं किया जाता।
- उनमें न केवल संबंधित मामलों के मंत्री सम्मिलित होते हैं बल्कि उनमे अन्य वरिष्ठ मंत्री भी सम्मिलित होते हैं।
- उनकी अध्यक्षता आमतौर पर प्रधान मंत्री के द्वारा की जाती है। कभी-कभी, अन्य कैबिनेट मंत्री, विशिष्ट रूप से, गृह मंत्री या वित्त मंत्री उनके अध्यक्ष के रूप में काम करते हैं। किन्तु प्रधान मंत्री के उक्त समिति का सदस्य होने की स्थिति में वही इसकी अध्यक्षता करते हैं।

Q 69.C

कथन 1 असत्य है। राष्ट्रपति तथा राज्यपाल को उनके कार्यकाल के दौरान उनकी आधिकारिक शक्तियों तथा कर्तव्यों के निष्पादन के संदर्भ में उनके द्वारा किए जाने वाले कृत्यों के लिए संविधान के द्वारा सुरक्षा प्रदान की गयी है। किन्तु व्यक्तिगत कार्यों के मामले में एक अपवाद है। वह यह कि राष्ट्रपति तथा राज्यपाल को दो माह के नोटिस दिए जाने के बाद उनके व्यक्तिगत कृत्यों के लिए उन पर सिविल कार्रवाई की जा सकती है। ऐसा उनके पद पर बने रहने के दौरान भी किया जा सकता है।

कथन 2 सत्य है। संविधान मंत्रियों को उनके आधिकारिक कृत्यों के लिए किसी प्रकार की सुरक्षा प्रदान नहीं करता। यद्यपि, चूँकि मंत्रियों को राष्ट्रपति या राज्यपाल के आधिकारिक कार्यों को प्रतिहस्ताक्षरित करने की बाध्यता नहीं होती, वे न्यायालय में उन कार्यों के लिए जवाबदेह नहीं होते।

कथन 3 असत्य है। राष्ट्रपति को मंत्री-परिषद् द्वारा दी गयी किसी सहायता या परामर्श पर न्यायालय द्वारा कोई प्रश्न नहीं उठाया जा सकता है।

Q 70.D

कथन 1 असत्य है। संविधान के अनुसार किसी व्यक्ति को मुख्य मंत्री नियुक्त किए जाने के समय उसे विधान सभा में बहुमत सिद्ध किए जाने की आवश्यकता नहीं है। राज्यपाल उसे पहले मुख्य मंत्री नियुक्त कर एक नियत अवधि में विधान सभा में बहुमत सिद्ध करने के लिए कह सकते हैं।

कथन 2 सत्य है। वह व्यक्ति जो विधान मंडल का सदस्य नहीं है, छः माह के लिए मुख्य मंत्री नियुक्त किया जा सकता है। इस अवधि के भीतर उसे विधानमंडल में निर्वाचित होना होगा। इसमें असफल रहने पर वह मुख्यमंत्री नहीं रहेगा।

कथन 3 असत्य है। किसी मुख्यमंत्री का कार्यकाल नियत नहीं होता तथा वह राज्यपाल की इच्छापर्यंत पद पर बना रहता है।

Q 71.D

अनुच्छेद 164 में राज्य मंत्रिपरिषद (मुख्यमंत्री को लेकर) की संरचना का प्रावधान है। यह संबंधित राज्य विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती। किन्तु मुख्य मंत्री को लेकर मंत्रियों की कुल संख्या 12 से कम नहीं हो सकती। इस प्रावधान को 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा जोड़ा गया था। इसलिए, कथन 1 और 2 सत्य हैं।
कथन 3 सत्य है। दिल्ली के लिए मंत्री परिषद् में मंत्रियों की कुल संख्या विधान सभा में सदस्यों की कुल संख्या का दस प्रतिशत नियत है, जो कि 7 है अर्थात् एक मुख्यमंत्री तथा छः अन्य मंत्री।

Q 72.C

कथन 1 सही है। विधान सभा दूसरी बार विधेयक पारित कर विधान परिषद का अध्यारोहण कर सकती है किन्तु विधान परिषद के द्वारा ऐसा नहीं किया जा सकता है। जब विधानसभा द्वारा दूसरी बार कोई विधेयक पारित किया जाता है और विधान परिषद को भेजा जाता है, तब यदि विधान परिषद विधेयक को पुन: अस्वीकृत कर देती है या ऐसे संशोधन प्रस्तावित करती है जो विधान सभा को स्वीकार्य नहीं होते हैं, या विधेयक को एक महीने में पारित नहीं करती है तो इस स्थिति में वह विधेयक उसी रूप में दोनों सदनों द्वारा पारित समझा जाता है जिस रूप में उसे दूसरी बार विधान सभा द्वारा पारित किया गया था।
कथन 2 सही है। गतिरोध दूर करने के लिए विधेयक को दूसरी बार पारित करने की क्रियाविधि केवल विधान सभा से उत्पन्न होने वाले विधेयक पर लागू होती है। जब विधान परिषद में उत्पन्न एवं विधान सभा के लिए भेजे गए विधेयक को विधान सभा द्वारा अस्वीकृत कर दिया जाता है, तो ऐसा विधेयक समाप्त और ख़त्म हो जाता है।

Q 73.C

मंत्रिमंडलीय समितियाँ मंत्रिमंडल के अत्यधिक कार्यभार को कम करने के लिए एक संगठनात्मक युक्ति हैं। वे नीतिगत मुद्दों की गहराई से परीक्षा और प्रभावी समन्वयन भी सुसाध्य करती हैं। वे श्रम विभाजन एवं प्रभावी प्रत्यायोजन के सिद्धांत पर आधारित हैं। वे मुद्दों का समाधान करती हैं एवं मंत्रिमंडल के विचारार्थ प्रस्तावों को सूत्रबद्ध करती हैं।
हालांकि वे नीति निर्माण प्रक्रिया को संघीय स्वरूप प्रदान नहीं करतीं क्योंकि इन समितियों में राज्यों की सहभागिता नहीं होती है।

Q 74.A

अनुच्छेद 164 में यह प्रावधान है कि छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा में आदिवासी कल्याण मंत्री का पद होना चाहिए। मूल रूप से यह प्रावधान बिहार, मध्यप्रदेश और ओडिशा के लिए लागू था, किंतु 94वें संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा बिहार को हटा दिया और छत्तीसगढ़ और झारखंड को इसमें जोड़ा गया।

Q 75.D

- कथन 1 ग़लत है, क्योंकि छोटे राज्यों को मध्यवर्ती स्तर के निकाय को गठित करने की आवश्यकता नहीं होती है। 20 लाख से कम जनसंख्या वाले छोटे राज्यों को मध्यवर्ती स्तर के पंचायत को गठित न करने का विकल्प प्राप्त है।
- कथन 2 गलत है क्योंकि पंचायती राज संरचना के तीनों स्तरों पर सभी सदस्यों को प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित किया जाता है।
- कथन 3 गलत है। महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को छोड़कर नहीं हैं। महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण केवल सामान्य वर्ग में ही नहीं होता है बल्कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षित सीटों में भी होता है।

Q 76.D

दिए गए सभी विकल्प 11वीं अनुसूची के तहत पंचायतों के कानून क्षेत्र के अंतर्गत समाहित हैं। यह अनुसूची निम्नलिखित प्रकार्यात्मक विषयों को समाहित करती है:-

- कृषि, जिसके अंतर्गत कृषि-विस्तार सम्मिलित है।
- भूमि विकास, भूमि सुधार का कार्यान्वयन, चकबंदी और भूमि संरक्षण।
- लघु सिंचाई, जल प्रबंध एवं जलविभाजक क्षेत्र का विकास।
- पशुपालन, डेरी उद्योग और कुक्कुट पालन।
- मत्स्य उद्योग।
- सामाजिक वानिकी एवं कृषि वानिकी।
- लघु वन उपज।
- लघु उद्योग जिनके अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग भी हैं।
- खादी, ग्रामोद्योग एवं कुटीर उद्योग।
- ग्रामीण आवास।
- पेय जल।
- ईंधन और चारा।
- सड़कें, पुलिया, पुल, फेरी, जलमार्ग और अन्य संचार साधन।
- ग्रामीण विद्युतीकरण, जिसके अंतर्गत विद्युत का वितरण सम्मिलित है।
- पारंपरिक ऊर्जा स्रोत।
- गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम।
- शिक्षा, जिसके अंतर्गत प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय भी हैं।
- तकनीकी प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा।
- प्रौढ़ और अनौपचारिक शिक्षा।
- पुस्तकालय।
- सांस्कृतिक क्रियाकलाप।
- बाजार और मेले।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता, जिनके अंतर्गत अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और औषधालय भी हैं।
- परिवार कल्याण।
- महिला और बाल विकास।
- समाज कल्याण, जिसके अंतर्गत विकलांगों और मानसिक रूप से मंद व्यक्तियों का कल्याण भी है।
- दुर्बल वर्गों का और विशिष्टतया, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का कल्याण।
- जन वितरण प्रणाली (पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम)।
- सामुदायिक आस्तियों का अनुरक्षण।

Q 77.D

कथन 1 गलत है क्योंकि यह सरकार की राष्ट्रपतीय प्रणाली के संबंध में है, संसदीय प्रणाली के संबंध में नहीं क्योंकि मंत्रिपरिषद का कार्यकाल संसद के कार्यकाल से संबंधित है।

कथन 2 भी गलत है क्योंकि सरकार की संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका और विधायिका अतिच्छादित होती हैं क्योंकि मंत्री कार्यकारी विभागों का प्रमुख होने के साथ-साथ विधायन के लिए भी उत्तरदायी होते हैं।

कथन 3 सही है और यह सरकार के संसदीय स्वरूप का मूल सिद्धांत है (भारतीय संविधान का अनुच्छेद 74)।

कथन 4 भी सही है क्योंकि सरकार के संसदीय स्वरूप में राष्ट्रपति नाममात्र का कार्यपालक होता है और प्रधानमंत्री में वास्तविक कार्यपालिका शक्तियां निहित होती है।

Q 78.A

- कथन 1 सही है। शून्य काल में सदस्य ऐसे किसी भी मामले को उठाने के लिए स्वतंत्र होते हैं जिसे वे महत्वपूर्ण मानते हैं किन्तु मंत्री प्रत्युत्तर देने के लिए बाध्य नहीं होते हैं।
- कथन 2 गलत है। संसद सत्र के दौरान प्रतिदिन प्रश्नकाल आयोजित किया जाता है। प्रश्नकाल के दौरान मंत्री सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का प्रत्युत्तर देते हैं। हालांकि मंत्री केवल तारांकित प्रश्नों का उत्तर ही मौखिक रूप से देने के लिए बाध्य होते हैं। गैर-तारांकित प्रश्नों के मामले में लिखित उत्तर दिए जाते हैं।

Q 79.A

- कथन 1 ग़लत है। केवल राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य उस राज्य से राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव करते हैं।
- कथन 2 ग़लत है। प्रत्येक दो वर्ष में, राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य अपने कार्यकाल को पूर्ण करते हैं। इस प्रकार चुनाव प्रत्येक दूसरे वर्ष आयोजित किए जाते हैं।
- कथन 3 सही है। प्रत्येक राज्य से निर्वाचित किए जाने वाले सदस्यों की संख्या संविधान की चौथी अनुसूची द्वारा नियत की गयी है।

Q 80.B

- कथन 1 ग़लत है। उपराष्ट्रपति के निर्वाचन की पद्धति राष्ट्रपति की निर्वाचन पद्धति के समान ही है। इसमें एकमात्र अंतर यह है कि राज्य विधान मंडल के सदस्य निर्वाचक मंडल के भाग नहीं होते हैं।
- कथन 2 सही है। उपराष्ट्रपति, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में कार्य करता है और मृत्यु, त्यागपत्र, महाभियोग द्वारा पद से हटाए जाने या किसी अन्य कारण से राष्ट्रपति के पद के रिक्त होने पर उस पद का कार्यभार ग्रहण करता है।
- कथन 3 ग़लत है। उपराष्ट्रपति को पूर्ण बहुमत (अर्थात सदन के सम्पूर्ण सदस्यों का बहुमत) से पारित राज्यसभा के प्रस्ताव और लोकसभा की सहमति (साधारण बहुमत) के माध्यम से उसके पद से हटाया जा सकता है।

Q 81.C

कथन 1 सही नहीं है क्योंकि राज्य निर्वाचन आयुक्त को केवल उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाए जाने की पद्धित और आधारों पर ही उसके पद से हटाया जा सकता है।
कथन 2 सही है क्योंकि महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, जो उसका पारिश्रमिक निर्धारित करता है। महाधिवक्ता राज्यपाल की इच्छापर्यन्त पद पर बना रहता है।
कथन 3 सही है क्योंकि राज्यपाल को राज्य में संवैधानिक आपात की अनुशंसा करने की विवेकाधीन शक्तियाँ प्राप्त हैं।

Q 82.B

- कथन 1 ग़लत है– भारतीय संविधान में, राज्य के अंतर्गत जल से संबंधित मुद्दों को राज्य सूची में सूचीबद्ध किया गया है, जबकि अंतर्राज्यीय जल से संबंधित मुद्दों को संघ सूची में रखा गया है।
- कथन 2 सही है - अनुच्छेद 262 कहता है कि संसद कानून द्वारा यह प्रावधान कर सकता है कि ऐसे किसी विवाद न ही सर्वोच्च न्यायालय और न ही कोई अन्य न्यायालय अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करे।

Q 83.C

कथन 1 सही है। यह परिवर्तन 2003 में किया गया था। राज्यसभा का चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के लिए अधिवास या निवास की आवश्यकता को हटा दिया गया। यदि वह देश के किसी भी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता है तो यह पर्याप्त होगा।
कथन 2 सही है। राज्यसभा के चुनाव के लिए गुप्त मतदान प्रणाली के स्थान पर खुली मतदान प्रणाली का आरम्भ किया गया। ऐसा पक्षांतर मतदान (क्रॉस वोटिंग) पर अंकुश लगाने एवं राज्यसभा चुनावों के दौरान धन शक्ति की भूमिका को समाप्त करने के लिए किया गया था। नई प्रणाली के अंतर्गत, अब किसी राजनीतिक दल से संबंधित निर्वाचक को मतदान करने के बाद उस राजनीतिक दल द्वारा नामित व्यक्ति को मतदान-पत्र प्रदर्शित करना होता है।

Q 84.C

- कथन 1 ग़लत है क्योंकि संविधान ने लोकसभा और राज्य विधान सभा में केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया है।
- कथन 2 ग़लत है क्योंकि यह निर्णय प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन आयोग द्वारा लिया जाता है।

- कथन 3 सही है क्योंकि अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए सीटों का आवंटन संबंधित राज्य की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के अनुपात के आधार पर किया जाता है।

Q 85.D

यह अधिनियम जम्मू और कश्मीर, नागालैंड, मेघालय और मिजोरम तथा कुछ अन्य क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है।

इन क्षेत्रों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं,

(a) राज्यों में अनुसूचित क्षेत्र और जनजातीय क्षेत्र;

(b) मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र जिनके लिए जिला परिषद विद्यमान है; और

(c) पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला जिसके लिए दार्जिलिंग गोरखा पर्वतीय परिषद है।

हालांकि, संसद स्वयं द्वारा विनिर्दिष्ट अपवादों और संशोधनों के अधीन अनुसूचित क्षेत्रों पर इस भाग के उपबंधों का विस्तार कर सकती है। इसके लिए, संसद ने 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम' 1996 {Provisions of the Panchayats (Extension to the Scheduled Areas) Act', 1996 (PESA)} को अधिनियमित किया है।

Q 86.B

यह 15 से 20 मंत्रियों से मिलकर बना एक लघु निकाय होता है। इसमें केवल कैबिनेट मंत्री सम्मिलित होते हैं। इस प्रकार, यह मंत्रिपरिषद का एक भाग है। यह नीतिगत निर्णय लेता है और मंत्रिपरिषद को निर्देश देता है जो सभी मंत्रियों के लिए बाध्यकारी होते हैं। इसलिए, कथन 1 सही है।

इसे 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद 352 में सम्मिलित किया गया था। इस प्रकार, इसे संविधान के मूल पाठ में स्थान नहीं मिला था। अब भी, अनुच्छेद 352 केवल यह कहते हुए मंत्रिमंडल को परिभाषित करता है कि यह प्रधानमंत्री और अनुच्छेद 75 के अंतर्गत नियुक्त मंत्रिमंडल श्रेणी के अन्य मंत्रियों से मिलकर बना होगा। अनुच्छेद 75 इसकी शक्तियों और कार्यों का वर्णन नहीं करता है, इसलिए, कथन 2 सही नहीं है

यह राष्ट्रपति के लिए एक सलाहकारी निकाय है और इसकी सलाह उसके लिए बाध्यकारी होती है। इसलिए, कथन 3 सही है।

Q 87.B

कुछ विधेयकों को पुरःस्थापित करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व सहमति की आवश्यकता होती है।

अनुदानों की मांग, धन विधेयक, नए राज्यों के निर्माण से संबंधित विधेयक आदि को पुरःस्थापित करने के लिए उसकी सहमति की आवश्यकता होती है।

संविधान संशोधन विधेयक और विधान परिषद का उन्मूलन करने वाले विधेयक के लिए उसकी पूर्व संस्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती है।

विनियोग विधेयक एक धन विधेयक है, इसलिए यहां पूर्व सहमति की आवश्यकता होती है।

Q 88.C

- कथन 1 ग़लत है क्योंकि उम्मीदवार को बहुमत प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होती है, बल्कि उसे अन्य उम्मीदवारों की तुलना में अधिक मत प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और वे 50% से कम भी हो सकते हैं।
- कथन 2 ग़लत है क्योंकि *फर्स्ट पॉस्ट द पोस्ट* चुनाव प्रणाली में एक निर्वाचन क्षेत्र से केवल एक निर्वाचित प्रतिनिधि ही चुना जाता है, हालांकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनीतिक दल के कई उम्मीदवार मैदान में होते हैं।
- कथन 3 सही है क्योंकि कोई दल (पार्टी) विधानमंडल में प्राप्त सीटों के प्रितशत से अधिक प्रतिशत वोट प्राप्त कर सकता है। उदाहरण के लिए पिछले आम चुनाव में भाजपा को लगभग 31% वोट मिले किन्तु इसने लगभग 50% सीटें जीतीं।

Q 89.A

कथन 1 सही है। अध्यक्ष केवल दल-बदल के आधार पर निर्हरता के प्रश्न पर निर्णय करता है। निर्हरता संबंधी किसी अन्य प्रकरण के लिए राष्ट्रपति द्वारा निर्णय किया जाता है।

कथन 2 भी सही है। राज्यसभा के अवकाश ग्रहण करने वाले सदस्य कितनी भी बार पुनर्निर्वाचन और पुनर्मनोनयन हेतु पात्र होते हैं।

कथन 3 गलत है। राज्यसभा एक स्थायी निकाय है और यह भंग नहीं होती है।

Q 90.D

कथन 1 सही नहीं है। संविधान संसद को ऐसे राज्यों हेतु अनुदान प्रदान करने का अधिकार देता है जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

कथन 2 सही नहीं है। इस संबंध में संसद की कोई भूमिका नहीं होती है। वित्त आयोग राज्यों को अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया निर्धारित करने वाले सिद्धांतों के आधार पर राष्ट्रपति को अनुशंसाएँ करता है।

कथन 3 सही नहीं है। यद्यपि राज्यों को दिए गए कुछ अनुदानों को राज्यों में परिसम्पत्ति निर्मित करने में उपयोग किया जाता है किन्तु इन्हें राजस्व व्ययों में सम्मिलित किया जाता है।

Q 91.D

कथन 1 सही है। जिला न्यायाधीश जिले का सर्वोच्च न्यायिक प्राधिकारी होता है। उसे सिविल और आपराधिक दोनों मामलों में मूल और अपीलीय क्षेत्राधिकार प्राप्त होता है। अन्य शब्दों में, जिला न्यायाधीश सत्र न्यायाधीश भी होता है।

कथन 2 सही है। जिला न्यायाधीश न्यायिक और प्रशासनिक दोनों प्रकार की शक्तियों का प्रयोग करता है। उसे जिले में सभी अधीनस्थ न्यायालयों पर पर्यवेक्षी शक्तियाँ भी प्राप्त होती हैं।

कथन 3 सही है। सत्र न्यायाधीश को आजीवन कारावास और प्राणदण्ड (मृत्युदण्ड) सहित कोई भी सजा अधिरोपित करने की शक्ति प्राप्त होती है। हालांकि, उसके द्वारा पारित प्राणदण्ड उच्च न्यायालय की पुष्टि के अधीन होता है, भले ही कोई अपील की जाए या नहीं।

Q 92.C

न्यास पत्तन का गठन संसद के अधिनियम द्वारा किया जाता है। इसमें निर्वाचित और मनोनीत दोनों प्रकार के सदस्य होते हैं। इसका अध्यक्ष सरकारी पदाधिकारी होता है। इसके नागरिक प्रकार्य बहुत कुछ नगरपालिका के समान होते हैं। इसलिए, कथन 1 सही नहीं है।

छावनी बोर्ड की स्थापना छावनी क्षेत्र में नागरिक जनसंख्या के नगर निगम प्रशासन के लिए की जाती है। इसकी स्थापना केन्द्र सरकार द्वारा अधिनियमित विधान - छावनी अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है। इसलिए, कथन 2 सही नहीं है।

नगर क्षेत्रीय समिति (टाउन एरिया कमिटी) की स्थापना छोटे शहर के प्रशासन के लिए की जाती है। यह एक अर्ध-नगर निगम प्राधिकरण है और इसे सीमित संख्या में नागरिक कार्य सौंपे गए हैं जैसे जल निकासी, सड़कें, पथ प्रकाश, और मल सफाई। इसे राज्य विधानमंडल के पृथक अधिनियम द्वारा निर्मित किया गया है। इसका गठन, कार्य और अन्य मामले अधिनियम द्वारा प्रशासित किए जाते हैं। इसलिए, कथन 3 सही है।

Q 93.D

संविधान राष्ट्रपति को दो श्रेणी के मामलों में सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने के लिए अधिकृत करता है:

(a) विधि या लोकहित के किसी तथ्य पर प्रस्तुत हुए या प्रस्तुत होने की संभावना वाले प्रश्न पर।

(b) संविधान पूर्व किसी संधि, समझौते, प्रसंविदा, अनुबंध या अन्य समान साधन से उत्पन्न किसी विवाद पर।

पहले मामले में सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति को अपनी राय दे सकता है या देने से मना कर सकता है। किन्तु, दूसरे मामले में, सर्वोच्च न्यायालय को अनिवार्य रूप से राष्ट्रपति को अपनी सलाह देनी चाहिए। इसलिए कथन 1 गलत है।

कथन 2 गलत है। दोनों मामलों में, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अभिव्यक्त की गयी राय केवल सलाहकारी है। राष्ट्रपति ऐसी सलाह को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है।

Q 94.A

उपर्युक्त सभी कथन भारतीय संसदीय मॉडल की वेस्टमिन्सटर मॉडल से भिन्नताएँ हैं।

कथन 1: ब्रिटेन में प्रधानमंत्री निचले सदन (हाउस ऑफ कॉमन्स) से होता है जबकि भारत में यह किसी भी सदन से हो सकता है (उदाहरण के लिए पूर्व-प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राज्यसभा से थे)।

कथन 2: लिखित संविधान और न्यायिक समीक्षा के कारण भारत में संसद की सर्वोच्चता विद्यमान नहीं है, जबकि ब्रिटेन में संसद सर्वोच्च निकाय है।

कथन 3: ब्रिटेन में मंत्री विधिक रूप से उत्तरदायी होते हैं लेकिन भारत में नहीं। यहाँ राज्य प्रमुख के सरकारी दस्तावेजों पर मंत्रियों द्वारा प्रति-हस्ताक्षर नहीं किए जाते हैं।

Q 95.D

अनिवार्य प्रावधान

- किसी एक गांव या गांवों के समूह में ग्राम सभा का आयोजन।
- गांव, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों की स्थापना।
- गांव, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों में सभी सीटों के लिए प्रत्यक्ष चुनाव।
- मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु अप्रत्यक्ष चुनाव।
- पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम उम्र 21 वर्ष होनी चाहिए।
- पंचायतों में सभी तीनों स्तरों पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें (सदस्य और अध्यक्ष)।
- पंचायतों में सभी तीनों स्तरों पर महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षित सीटें (सदस्य और अध्यक्ष)।
- सभी स्तरों पर पंचायत का कार्यकाल पांच वर्ष नियत किया जाना और पंचायत के कार्यकाल की समाप्ति की स्थिति में छह महीने के भीतर नए सिरे से चुनाव कराया जाना।
- पंचायतों में चुनाव करवाने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना।
- पंचायतों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा हेतु प्रत्येक पांच वर्ष पर राज्य वित्त आयोग का गठन किया जाना।

स्वैच्छिक प्रावधान:

- संसद (दोनों सदनों) एवं राज्य विधानमंडल (दोनों सदनों) के सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में अवस्थित पंचायतों में विभिन्न स्तरों पर प्रतिनिधित्व देना।
- पंचायतों में किसी भी स्तर पर पिछड़े वर्गों के लिए सीटों (सदस्यों और अध्यक्षों) का आरक्षण उपलब्ध कराना।
- स्वशासन की संस्थाओं के रूप में कार्य करने में सक्षम करने के लिए पंचायतों को शक्तियां तथा प्राधिकार प्रदान करना।
- आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजनाएँ तैयार करने; और संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध कुछ या सभी 29 प्रकार्यों को निष्पादित करने हेतु पंचायतों पर शक्तियों और उत्तरदायित्वों का अंतरण।
- पंचायतों को वित्तीय अधिकार प्रदान करना, अर्थात उन्हें करों, शुल्कों, पथकरों और फीसों का उद्ग्रहण, संग्रहण और विनियोजन करने के लिए प्राधिकृत करना।

Q 96.A

- कथन 1 सही है। अनुच्छेद 74 (1) कहता है कि राष्ट्रपति की सहायता और सलाह हेतु एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। राष्ट्रपति अपने कार्यों का पालन करने के लिए ऐसी सलाह के अनुसार कार्य करेगा।
- कथन 2 गलत है। उपर्युक्त अनुच्छेद उल्लेख करता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद को ऐसी सलाह पर पुनर्विचार का आदेश दे सकता है। इस प्रकार के पुनर्विचार के बाद, राष्ट्रपति को अनिवार्य रूप से ऐसी सलाह स्वीकार करनी होती है।

- कथन 3 गलत है। राष्ट्रपति को सहायता और सलाह हेतु हमेशा मंत्रिपरिषद होगी। जब कभी मंत्रिपरिषद त्यागपत्र देती है, तो यह अगली मंत्रिपरिषद द्वारा शपथ लिए जाने तक कार्यवाहक सरकार के रूप में कार्य करती रहेगी।

Q 97.D

कथन 1 गलत है: भारत का संविधान किसी भी भाषा को राष्ट्र भाषा की प्रस्थति प्रदान नहीं करता। भारत सरकार की राजभाषाएँ हिन्दी और अंग्रेजी हैं।

कथन 2 गलत है: आठवीं अनुसूची में उल्लिखित न की गई किसी भी भाषा को जोड़ने के लिए संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होती है। इसके लिए संसद को विशेष बहुमत से इसके संबंध में संविधान संशोधन विधेयक पारित करना होता है। भारत के मूल संविधान ने 14 भाषाओं को निर्दिष्ट किया था। बाद में संविधान के संशोधन से आठ अतिरिक्त भाषाओं को जोड़ा गया जिससे भाषाओं की कुल संख्या 22 हो गयी हैं।

कथन 3 गलत है: आठवीं अनुसूची भारत की क्षेत्रीय भाषाओं को सूचीबद्ध करती है। इसके पीछे एक उद्देश्य हिन्दी भाषा को समृद्ध करने के लिए इन भाषाओं का प्रयोग करना है। हालांकि सभी राज्यों की राजभाषाएँ आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं हैं। उदाहरण के लिए, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा की राजभाषा अंग्रेजी है। लेकिन यह अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं है। इसी प्रकार कोकबोरोक त्रिपुरा की राजभाषाओं में एक है किन्तु अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं है। इसी प्रकार सिक्किम की कुल 11 राजभाषाएँ हैं किन्तु ये सभी आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध नहीं हैं।

Q 98.A

कथन 1 सही है : अन्तर्राज्यीय परिषद्, सरकारिया आयोग द्वारा की गई अनुशंसा पर गठित की गयी है। यह केन्द्र और राज्यों के बीच विवादों का समाधान करने में सहायता करती है और इस प्रकार उनके बीच सहयोग को बढ़ावा देती है।

कथन 2 गलत है: भारत में एकीकृत न्यायिक प्रणाली है। न्यायालयों की एकल प्रणाली केन्द्र तथा राज्य दोनों कानूनों को प्रवर्तित करती है। इस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के बीच न्यायिक शक्तियों का कोई विभाजन नहीं है।

कथन 3 सही है: राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व होता है। इस प्रकार राज्यसभा राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों के हितों का संरक्षण करती और और उन्हें बढ़ावा देती है। यह केन्द्र द्वारा उपभोग की जाने वाली अत्यधिक शक्ति को भी नियंत्रित करती है।

Q 99.A

कथन 1 और 2 सही हैं। जिला योजना समिति (डी.पी.सी.) का प्रावधान 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा निर्मित किया गया है और यह पंचायतों और नगर पालिकाओं द्वारा तैयार योजनाओं को समेकित करती है।

कथन 3 गलत है क्योंकि पंचायतों और नगर पालिकाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने बीच में से जिला योजना समिति (डी.पी.सी.) के केवल एक चौथाई सदस्य चुने जाते हैं, न कि 100%।

Q 100.C

अनुच्छेद 243C (5) पंचायत अध्यक्ष के विषय में प्रावधान निर्मित करता है कि:

(a) ग्राम स्तर पर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव राज्य के विधान-मंडल द्वारा प्रावधानित पद्धति के अनुसार किया जाएगा; और

(b) मध्यवर्ती स्तर या जिला स्तर पर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव उसके (पंचायत के) निर्वाचित सदस्यों द्वारा और उनके बीच में से किया जाएगा।

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS